

झ

हिंदी वर्णमाला का नौवाँ व्यंजन, तालव्य घोष महाप्राण व्यंजन।

झंकना अ.क्रि. (देश.) दे. झींखना।

झंकार स्त्री. (तत्.) झनझनाहट, झनझन प्रयो. पाजेब की झंकार, झाँझ की झंकार, झिल्लियों की झंकार।

झंकारना स.क्रि. (अनु.) झनझन शब्द पैदा करना या होना प्रयो. झाँझ का प्रयोग होने से झंकार पैदा होना या करना, झाँझ बजाने से उत्पन्न ध्वनि।

झंकारिणी स्त्री. (तत्.) गंगा, भागीरथी।

झंकारित वि. (तत्.) झंकृत, झंकार होती या करती हुई।

झंकारी वि. (तद्.) झंकार करने वाला, झनझन करने वाला।

झंकृत वि. (तत्.) 1. झंकार करता हुआ, झंकार-युक्त 2. धीरे या विशेष रूप से ध्वनि करता हुआ, ध्वनित।

झंकृता स्त्री. (तत्.) तारा देवी।

झंकृति स्त्री. (तत्.) झंकार, ध्वनि।

झंखाड़ पुं. (देश.) 1. घनी और काँटेदार झाड़ी या पौधा अथवा घने काँटेदार पौधों का झुंड या समूह 2. व्यर्थ का कूड़ा-करकट, रद्दी चीजों का ढेर। जैसे- झाड़-झंखाड़।

झंगुला पुं. (देश.) ढीला कुरता या पहनने का वस्त्र।

झंगुलिया स्त्री. (देश.) ढीला कुरता, अंगरखा।

झंझट पुं. (अनु.) 1. बेकार का झगड़ा, बखेड़ा 2. अनेक कठिनाइयों या प्रयत्नों से संपन्न होने वाला 3. टंटा 4. परेशानी, कठिनाई।

झंझटिया वि. (देश.) झंझट वाला कार्य, झंझट डालने वाला व्यक्ति, बाधा डालने वाला व्यक्ति या कार्य।

झंझटी पुं. (देश.) झंझट डालने या करने वाला व्यक्ति 2. झंझट से भरा हुआ कार्य 2. वि. झंझट से भरा हुआ, झंझट डालने या पैदा करने वाला।

झंझन पुं. (अनु.) झंकार, झुनझुन की मधुर ध्वनि।

झंझरा वि. (देश.) जालीदार स्त्री. जालीदार खिड़की, जाली, चलनी।

झंझा पुं. (तत्.) तेज आँधी जिसके साथ भारी वर्षा भी हो (आँधी-पानी), तेज-अंधड़, 'झंझा-झकोर' गर्जन था -कामायनी।

झंझानिल पुं. (तत्.) आँधी, प्रचंड हवा, झंझावात।

झंझार पुं. (तद्.) आग की लपट, आग या ज्वाला की ऊँची लपट।

झंझावात पुं. (तत्.) प्रचंड वायु, आँधी, ऐसी तेज हवा जिसके साथ-साथ वर्षा भी हो रही हो, झंझानिल।

झंझी स्त्री. (देश.) फूटी कौड़ी, कानी कौड़ी वि. जर्जर फूटी।

झंझोटी स्त्री. (देश.) एक राग विशेष।

झंझोरना स.क्रि. (तद्.) दे. 'झंझोड़ना'।

झंड पुं. (देश.) जट, मुंडन से पहले के बाल, 'झंडूला'।

झंडा पुं. (देश.) ध्वजा, पताका, निशान, ध्वज मुहा. झंडा उठाना- आंदोलन प्रारंभ करना; झंडे तले आना- अनुयायी हो जाना; झंडे उखाड़ देना- प्रभाव समाप्त करना; झंडे तले की दोस्ती- राह चलते की जान-पहचान; झंडे पर चढ़ना- बदनाम होना; झंडे पर चढ़ाना- बदनाम करना।

झंडाल स्त्री. (देश.) 1. आग की ऊँची लपट 2. ज्वार-बाजरे के पौधों के ऊपर का नरफूल 3. जीरा।

झंडी स्त्री. (देश.) छोटा झंडा।

झंडीदार वि. (देश.) 1. झंडी वाला 2. ध्वजा लेकर चलने वाला 3. जिसमें झंडी लगी हो।